

## पहली बार चिदंबरम, कांग्रेस अधिवेशन की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य नहीं हैं

इसी प्रकार यह भी पहली बार हो रहा है कि अधिवेशन में केवल एक ही प्रस्ताव पेश किया जायेगा

**रेणु मिश्र-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 28 मार्च कांग्रेस पार्टी अहमदाबाद में होने वाले अपने ए.आई.सी.सी. अधिवेशन की तैयारियों में जुटी है, ऐसे में यह पहली बार है जबकि, पी. चिदंबरम ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य नहीं हैं, जो कि- ए.आई.सी.सी. के सम्मुख पेश किए जाने वाले प्रस्ताव को ड्राफ्ट करेगी।

और पहली बार ही ऐसा होगा कि ए.आई.सी.सी. अधिवेशन में सिर्फ एक ही प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

इससे पहले कांग्रेस में परंपरा रही है कि ए.आई.सी.सी. अधिवेशनों में राजनीतिक, आर्थिक, अन्तर्राष्ट्रीय अथवा अन्य किसी विषय पर अध्यक्ष की अनुमति लेकर लगभग आधा दर्जन प्रस्ताव पेश होते आए हैं।

यह भी चर्चा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष क्यों बनाया गया, जबकि, अभी उनकी उतनी परिपक्वता, वरिष्ठता या बौद्धिक क्षमता नहीं है कि वे निर्णय ले सकें कि क्या-क्या मसले व मुद्दे प्रस्ताव में ज़रूर सम्मिलित होने चाहिये।

■ जैसा कि विदित ही है, अहमदाबाद में कांग्रेस का 9 अप्रैल को एकदिवसीय अधिवेशन आयोजित किया गया है और उसमें एक ही प्रस्ताव पेश किया जायेगा। इससे पहले कांग्रेस में परम्परा रही है कि राजनीतिक, इकोनॉमिक, अंतरराष्ट्रीय व अन्य किसी विषय पर, अध्यक्ष की अनुमति लेकर, लगभग आधा दर्जन प्रस्ताव पेश होते आये हैं।

■ इस बात की भी चर्चा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष क्यों बनाया गया, जबकि उनकी अभी उतनी परिपक्वता, वरिष्ठता या बौद्धिक क्षमता नहीं है कि वे निर्णय ले सकें कि क्या-क्या मसले व मुद्दे प्रस्ताव में ज़रूर सम्मिलित होने चाहिये। पहली बैठक में चर्चा इस बात पर सीमित रही कि प्रस्ताव व पेपर की "थीम" क्या होनी चाहिये।

■ संगठनात्मक पुनर्गठन पर राहुल गांधी की स्पष्ट सोच है कि पार्टी को सहयोगी दलों के दबाव में नहीं आना चाहिये और पार्टी का फोकस डी.सी.सी. को मजबूत करने पर रहना चाहिये।

आज दोपहर को हुई ड्राफ्टिंग कमेटी की पहली मीटिंग में चर्चा इस बात पर सीमित रही कि प्रस्ताव व पेपर की थीम क्या होनी चाहिये।

को आयोजित होगा। आठ अप्रैल को तो कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की मीटिंग होनी है।

राहुल गांधी की सोच के अनुसार, अधिवेशन में केन्द्रीय मुद्दे होंगे- भाजपा पर प्रहार, मोदी सरकार की अक्षमता, अर्थव्यवस्था में गिरावट तथा आम लोगों की कीमत पर बड़े कॉर्पोरेट घरानों को मनमानी की छूट देना। राहुल गांधी का मानना है कि संगठनात्मक मोर्चे पर, कांग्रेस को विभिन्न राज्यों में अपनी राजनैतिक संभावनाएं पुनः तलाशने एवं प्राप्त करने की ज़रूरत है तथा पार्टी को अपने मित्र दलों के दबाव के आगे समर्पण नहीं करना चाहिये। इसके अलावा, राहुल अपने इस निर्णय पर अटल हैं कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटीयों को ताकतवर बनाना होगा।

संभावना यह है कि ये सब बातें जुबानी कवायद तक सीमित रहेंगी, क्योंकि नेतृत्व की रूचि केवल उन लोगों की बातें सुनने में रहती हैं, जो नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं, क्योंकि आलोचना और बेबाकी स्वागत और सम्मान योग्य नहीं मानी जाती।

## जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद ट्रांसफर पर सरकार की मुहर

नई दिल्ली, 28 मार्च केश मामले में धिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर रही है। रिपोर्ट में कुछ गड़बड़

■ इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने "शुक्रवार" को न्यायपालिका का काला दिन बताया और शपथ ग्रहण के बहिष्कार की घोषणा की।

मिला तो एफआईआर होगी या मामला संसद को भेजा जाएगा। जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने का वहां की बार एसोसिएशन विरोध कर रही है। बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 27 मार्च को सीजेआई संजोव खन्ना और कॉलेजियम के सदस्यों से मिलकर ट्रांसफर पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने शुक्रवार को भारत की न्यायपालिका के लिए सबसे काला दिन बताया उन्होंने घोषणा की कि वे जस्टिस वर्मा के शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करेंगे।

## बिहार चुनाव में महिलाओं को "कैश इन्सैक्टिव" स्कीम ही, भाजपा की रणनीति का स्तम्भ है

महाराष्ट्र, हरियाणा व दिल्ली चुनाव में यह रणनीति सफल रही है। अतः बिहार में भाजपा ने "लाडली लक्ष्मी योजना" प्रस्तावित की है

■ श्रीनन्द झा-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मार्च। चुनाववाधीन बिहार के लिये भाजपा की प्रचार-योजना को लेकर आश्चर्य करने की ज़रूरत नहीं है। इस पूर्वी राज्य के नवम्बर में होने वाले चुनावों में महिलाओं के लिए एक प्रलोभन पार्टी को शीर्ष पेशकश हो सकती है। महाराष्ट्र, हरियाणा तथा दिल्ली चुनावों में अपनाई गई सफल तरकीब के अनुरूप, भाजपा ने बिहार के लिये "लाडली लक्ष्मी योजना" के बारे में विचार बनाया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के वोट पाने के लिये कई उपायों की दिशा में प्रयास शुरू कर दिये हैं, जैसे- पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू करना, स्कूल जाने हेतु बालिकाओं के लिए साइकिल-योजना तथा महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए "जीविका दीदी" योजना लागू करना।

नीतीश कुमार ने 2016 में मुख्यतः महिला युवाओं की मांग के जवाब में, राज्य में शराबबंदी भी लागू की थी।

■ वैसे बिहार में महिलाओं को वोट बैंक बनाने की सोच नीतीश कुमार की थी।

■ नीतीश ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देना शुरू किया था, पंचायतों में, फिर, स्कूल की छात्राओं को साइकिल की सौगात दी और अंत में 2016 में महिलाओं की मांग पर बिहार में नशाबंदी लागू की। पर, नीतीश ने भी महिलाओं को सीधे "कैश इन्सैक्टिव" देने की सोच को नहीं अपनाया था।

■ पर, अब सभी राजनीतिक पार्टियाँ भी महिलाओं के वोट बैंक के महत्व को समझने लग गई हैं तथा उस वोट बैंक को पोषित कर रही हैं। हेमन्त सोरेन भी दोबारा सत्ता में आये "मैंया सम्मान" कैश इन्सैक्टिव योजना के कारण तथा केजरीवाल ने भी पंजाब में महिलाओं को "कैश सहायता" देने की योजना की घोषणा की, हालांकि, उस वादे की अभी पूर्ति नहीं हुई है।

लेकिन कुमार ने अभी तक सीधे कैश ट्रांसफर की पेशकश नहीं की है। देखा यह है कि कैश ट्रांसफर किये जाने पर भाजपा का फोकस महिला मतदाताओं में कुमार की छवि एवं स्थिति को मजबूत कर पायेगा या नहीं। इस बहस के बीच कि कैश ट्रांसफर करने की रणनीति असली प्रशासनिक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अपनाई जाती है, कैश ट्रांसफर करने का ट्रेंड जोर पकड़ चुका है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले विधानसभा चुनावों में "लाडली (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## म्यांमार में भारी भूकंप, 150 की मौत और 732 घायल

भूकंप के झटके भारत, थाइलैंड, बांग्लादेश व दक्षिण पश्चिम चीन में महसूस किए गए

यांगून, 28 मार्च। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर थाइलैंड से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक दिखाई दिया। सरकार ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटों में और भी भूकंप आ सकते हैं। म्यांमार में भूकंप में अब तक लगभग 150 लोग मारे गए हैं और 732 घायल हुए हैं। सेना ने कहा है कि मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

बैकॉक में भूकंप के तेज झटके ने काफी नुकसान पहुंचाया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि बैकॉक में एक इमारत के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़ कर आठ हो गई है। बैकॉक के उप राज्यपाल तविदा कामोलवेज ने कहा कि एक अन्य व्यक्ति की भी अलग स्थान पर मौत हुई है। ऐसे में यहां मौत का कुल आंकड़ा 9 हो गया है। बचाव दल के अनुसार,

■ 7.7 रिक्टर तीव्रता के इस भूकंप को रैंड कैटगरी में रखा गया है। इसमें दस हजार से एक लाख तक मौतें होने की संभावना होती है।

■ थाइलैंड में भूकंप से एक इमारत ढह गई, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई व 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। निर्माण स्थल पर अभी भी 100 से अधिक लोग लापता हैं। भारी तबाही के कारण थाइलैंड की प्रधानमंत्री पाइतीगताई शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रैंड कैटगरी में रखा गया है। इस कैटगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं। म्यांमार, थाइलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन सहित, 5 देशों में भूकंप का असर देखा गया।

## केन्द्रीय कर्मचारियों का 2 प्रतिशत डीए बढ़ा

नई दिल्ली, 28 मार्च। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर दी है। सरकार ने महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी से लागू होगी। इससे लगभग 48.66 लाख सरकारी कर्मचारियों और 66.55 लाख पेंशनरों को फायदा होगा।

■ पेंशनरों को भी महंगाई राहत में दो प्रतिशत की वृद्धि दी गई।

सरकार के अनुसार महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर हर साल 6614.04 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में यह बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि इनकी दरों में साल में दो बार बदलाव होता है। एक बदलाव आमतौर पर मार्च में होता है और दूसरा दिवाली से पहले अक्टूबर में होता है। पिछले साल अक्टूबर में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता बेसिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## बीकानेर सेंट्रल जेल से मु.मंत्री को जान से मारने की धमकी मिली

14 महीने में चौथी बार मुख्यमंत्री भजनलाल को धमकी दी गई है

बीकानेर, 28 मार्च (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाला बीकानेर सेंट्रल जेल का बंदी है। उससे मोबाइल फोन बरामद हुआ है। चौदह महीने में यह चौथी बार है, जब सीएम को धमकी दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी आदिल ने शुक्रवार सुबह 7:30 बजे बीकानेर पुलिस कंट्रोल रूम को मोबाइल से कॉल किया और सीएम को जान से मारने की बात कही। सुबह 8:40 बजे आदिल को गिरफ्तार कर लिया। आदिल ने कॉल क्यों किया और उसके पास मोबाइल कैसे पहुंचा, इसकी छानबीन की जा रही है। जांच में पता चला है कि आदिल नशे का आदी है। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। वह पहले भी अपने हाथों की नसों

■ जाँच में पता चला कि बीकानेर सेंट्रल जेल से बंदी आदिल ने यह कॉल किया था, पुलिस ने उससे मोबाइल बरामद किया है।

काट चुका है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी को बीकानेर सेंट्रल जेल में नशीला पदार्थ नहीं मिल रहा था, इसलिए वह दूसरी जेल में शिफ्ट होना चाहता था। इसी वजह से उसने ये धमकी भरा कॉल किया। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने बताया कि जेल पुलिस ने अपने स्तर पर ही सर्च अभियान चलाकर आदिल को गिरफ्तार किया है। इससे पहले, 21 फरवरी को रात को सीएम भजनलाल को दौसा जेल से जान से मारने की धमकी मिली थी। पाँक्सो मामले में जेल में बंद आरोपी ने

2024 में जयपुर की सेंट्रल जेल में बंद पाँक्सो एक्ट के बंदी ने ही कंट्रोल रूम में कॉल कर सीएम को गोली मारने की धमकी दी थी।

इसके बाद कॉल काटकर मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया था। पुलिस टीम ने तकनीकी आधार पर जांच शुरू करके धमकी देने वाले आरोपी की पहचान की थी। इस दौरान जेल में बंदियों से मोबाइल भी जब्त किए गए थे।

ज्ञातव्य है कि गत 26 मार्च को डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा को जान से मारने की धमकी मिली थी। बदमाश ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल किया था जिस नंबर से फोन आया, उस मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की गई। मोबाइल की लोकेशन जयपुर सेंट्रल जेल आई। ड्यूटी ऑफिसर ने धमकी भरा फोन आने की सूचना सीनियर्स को दी।

सबसे पहले लाइफ इश्योरंस



एलआईसी का जीवन उत्सव

Plan No.: 771 UIN: 512N363V02

उत्सव मनाने का गारंटीड तरीका



आजीवन गारंटीड रिटर्न के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सि आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक पॉलिसी, पार, पॉलिसी-लैंड, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

भारतीय जीवन बीमा निगम LIC LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हम पल आपके साथ

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/मिडिलटन एलआईसी शाखा से संपर्क करें या अपने हाइड का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखाधड़ी वाले फोन कॉल तथा ड्रॉ/ग्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. ऑनलाइन/आई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, कौशल की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, राशिवा लौटान जैसे कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं जिन पॉलिसीधारकों या सम्पत्ति धारकों को ऐसे फोन कॉल मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी रिपोर्ट करें और अपने बीमा एजेंट से संपर्क करें।